ISSN 2350-1065 MUKTANCHAL
वर्ष : 11, अंक : 44, अक्तूबर-दिसंबर 2024

शोध, समीक्षण, सृजन एवं संचार का

मुक्तांचल

लोक साहित्य विशेषांक

विद्यार्थी मंच

मूल्य: 100 रुपये

उस पार से...

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(19 अगस्त 1907-19 मई 1997)

"लोक शब्द का अर्थ जनपद या ग्राम्य नहीं है, बल्कि नगरों या गाँवों में फैली हुई समूची जनता है, जिनके व्यावहारिक ज्ञान का आधार पोथियाँ नहीं हैं। ये लोग नगर के परिष्कृत रुचि-संपन्न समझे जाने वाले लोगों की अपेक्षा सरल और अकृत्रिम जीवन के अभ्यस्त होते हैं तथा परिष्कृत रुचि-संपन्न समझे जानेवाले लोगों की समूची विलासिता एवं सुकुमारता को जिलाये रखने के लिए जो भी वस्तुएँ आवश्यक होती हैं, उत्पन्न करते हैं।"

- हिंदी साहित्य ज्ञानकोष, खंड-6, पृष्ठ - 3335

ISSN 2350-1065 MUKTANCHAL

शोध, समीक्षण, सृजन एवं संचार का

मुक्तांचल

पीयर रिव्यूड त्रैमासिक

वर्ष : 11, अंक : 44, अक्तूबर-दिसंबर 2024

लोक साहित्य विशेषांक

संपादक : **डॉ. मीरा सिन्हा**
अतिथि संपादक : **डॉ. पंकज साहा**
प्रकाशक : **विद्यार्थी मंच**
प्रबंध संपादक : **सुशील कुमार पांडेय**
कला संपादक : **शुभागता श्रीवास्तव**

परामर्श एवं विशेष सहयोग :

शशि मुदीराज : प्राक्तन अध्यक्ष - हैदराबाद विश्वविद्यालय
कृष्ण कुमार : अध्यक्ष, गीतांजलि बहुभाषिक साहित्यिक समुदाय, बर्मिंघम, यू॰के॰
अमित राय : एसोसिएट प्रोफेसर, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता
शशिभूषण द्विवेदी : ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के RHODES Scholar's
प्रकाश कुमार अग्रवाल : असिस्टेंट प्रो॰, हिंदी विभाग, खड़पुर कॉलेज, प॰ बंगाल
विनय कुमार मिश्र : प्राध्यापक, बंगवासी कॉलेज
चित्रा माली : प्रभारी अकादमिक निदेशक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता
विजया सिंह : शिक्षिका, रानी बिड़ला गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता
विजय कु॰ साव (निशांत) : काजी नजरूल विश्वविद्यालय, आसनसोल
उत्सव सिन्हा : वर्चुअल प्रोडक्शन स्पेशियेलिस्ट, मुंबई

व्यवस्थापन एवं प्रबंधन :
विवेक लाल, विनीता लाल, सरिता खोवाला, परमजीत पंडित, नगीना लाल दास एवं रुद्रकान्त झा

संपर्क एवं प्रसार :

विनोद यादव : 9007517546, पद्माकर व्यास : 9433196407
चाँदनी सिन्हा (बर्मिंघन, यू॰के॰) : +447411412229

लेखकों से अनुरोध किया जाता है कि मुक्तांचल में प्रकाशन हेतु सामग्री यूनिकोड वर्ड (*Unicode Word*) या (*Kurtidev010*) में भेजें।

पत्रिका में व्यक्त विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं 'मुक्तांचल' से संबंधित सारे विवादों के लिए न्याय-क्षेत्र कलकत्ता उच्च न्यायालय होगा।

पीयर रिव्यूड टीम :

डॉ॰ धूपनाथ प्रसाद : प्राक्तन प्राध्यापक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र
डॉ॰ विश्वजीत भद्र : प्राध्यापक, नेताजी नगर कॉलेज (कलकत्ता विश्वविद्यालय)
प्रो॰ मोहम्मद फ़रियाद : प्राक्तन अध्यक्ष, जनसंचार विभाग, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद
प्रो॰ मंजु रानी सिंह : विश्वभारती, शांतिनिकेतन
प्रो॰ अरुण होता : अध्यक्ष, हिंदी विभाग, स्टेट यूनिवर्सिटी, बारासात
प्रो॰ मनीषा झा : अध्यक्ष, हिंदी विभाग, उत्तर - बंग विश्वविद्यालय
डॉ॰ सत्या उपाध्याय : प्राचार्य, कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता
डॉ॰ अंजनी कुमार झा : एसोसिएट प्रोफेसर, मीडिया स्टडीज, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी (बिहार)
डॉ॰ शुभ्रा उपाध्याय : अध्यक्ष, हिंदी विभाग, खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज, कोलकाता
डॉ॰ सुनील कुमार (सुमन) : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र

मुक्तांचल : A/C- 50200014076551, HDFC Bank BURRABAZAR, KOLKATA-700007, IFSC CODE - HDFC0000219

संपादकीय कार्यालय :
आधुनिक अपार्टमेंट, ग्राउण्ड फ्लोर, 6/2/1, आशुतोष मुखर्जी लेन, सलकिया, हावड़ा-711106, पश्चिम बंगाल

संपर्क करें :
डॉ॰ मीरा सिन्हा (संपादक) : 9831497320
सुशील कुमार पांडेय : 8820406080

कार्यालय प्रभारी :
बलराम साव : 8910783904

ई-मेल muktanchalpatrika@gmail.com/ sinhameera48@gmail.com

मुद्रक : **गाथा प्रकाशन,** 6/2/1, आशुतोष मुखर्जी लेन, सलकिया, हावड़ा - 711106

पत्रिका का मूल्य : एक अंक - **100** रुपये
सदस्यता शुल्क : वार्षिक- **600** रुपये, आजीवन- **5000** रुपये
संस्थाओं के लिए : वार्षिक-**600** रुपये, आजीवन-**5500** रुपये
डाकखर्च (प्रत्येक अंक के लिए) अतिरिक्त 30 रुपये।

अवस्थिति

शोध

06 **संस्तुति**

07 **संपादकीय** — लोक साहित्य का लोक

धरोहर

09 **दिनेश्वर प्रसाद** — लोक साहित्य में समानांतरता और प्रसार

समीक्षण

अनुशीलन

21 **धनेश दत्त पाण्डेय** — लोक साहित्य में लोक जीवन एवं संस्कृति

29 **सेवाराम त्रिपाठी** — लोक संस्कृति, मिथक एवं प्रगतिशीलता

34 **श्रीनारायण पाण्डेय** — लोक साहित्य के अध्ययन की दिशा और दृष्टि

37 **जयप्रकाश मानस** — लोक नाट्य : एक मौलिक लेखक की अमौलिक टिप्पणी

41 **नमिता जायसवाल** — लोक साहित्य के सामाजिक सरोकार

विमर्श

सृजन

46 **शशिभूषण द्विवेदी** — लोक : यानी सृष्टि के पहरेदार का सांस्कृतिक ज्ञान कोश

49 **मृत्युंजय श्रीवास्तव** — लोक और नागर समाज एकमेव हो रहे हैं

52 **ऋषि भूषण चौबे** — लोक विमर्श के अंतर्विरोध

आलेख

58 **शिवनाथ पाण्डेय** — भोजपुरी लोकगीतों में गारी

63 **वीरेन्द्र परमार** — नागालैंड का लोक साहित्य

संचार

68 **भगवती प्रसाद द्विवेदी** — भोजपुरी लोक कथा : भारतीय लोक संस्कृति की जीवंत थाती

74 **अमरेन्द्र** — अंगिका लोकनाट्य

80 **गीता दूबे** — अवधी लोक गीतों में स्त्री पक्ष

89 **कल्पना दीक्षित** — अवधी लोक गीतों का संक्षिप्त अवलोकन

94 **के. बी. एल. पाण्डेय** — बुंदेलखण्ड के लोकाख्यानों के सामाजिक अभिप्राय

अवस्थिति

शोध

98 **प्रमोद कुमार प्रसाद** — भोजपुरी लोक गीतों में स्त्री संवेदना के स्वर
103 **रंजना शर्मा** — भोजपुरी लोककथा : सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ
111 **राजीव रंजन प्रसाद** — अरुणाचल प्रदेश का न्यीशी-समाज और न्यीशी लोक-साहित्य

समीक्षण

121 **हरभजन सिंह मेहरोत्रा** — संबंधों की उष्णता और भावनाओं का सैलाब है लोहड़ी
123 **रंजन कुमार दास** — ओड़िआ लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य
127 **पंकज साहा** — पश्चिम बंगाल की लोककथाओं में प्रतिवादी स्वर

शोधार्थी की कलम से

121 **परमजीत कुमार पंडित** — लोक साहित्य का भाषिक सौंदर्य
138 **निधी कुमारी सिंह** — लोक साहित्य का सामाजिक संदर्भ
141 **विवेक तिवारी** — लोक साहित्य में लोक गीतों के माध्यम से दिखती है भारतीय संस्कृति

सृजन

लोककथा

145 **पश्चिम बंगाल की लोककथा** — बुढ़िया और चोर
146 **ओड़िशा की लोककथा** — टूटा अहंकार
146 **झारखंड की लोककथा** — छऊ नृत्य

पुस्तकायन

147 **रितु होता** — अँजोर : एकान्त श्रीवास्तव की छत्तीसगढ़ी कविताएँ

संचार

अभिमत

151 **धूपनाथ प्रसाद**
151 **कौशल किशोर**
151 **सेराज ख़ान बातिश**

गतिविधियाँ

श्रद्धांजलि

परिशिष्ट

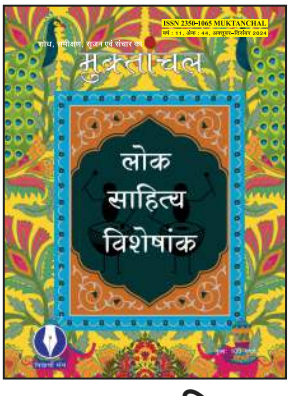

आवरण : सुरभि साहा